

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
09.07.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 214
परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा

214. श्री पी. के. बिजू :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयंत्र-वार क्या उपाय किए गए हैं;
- (ख) देश में सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के सुरक्षा मानदण्डों की निगरानी हेतु विद्यमान तंत्र का ब्यौरा क्या है; और
- (ग) समुद्र तट के पास स्थित परमाणु ऊर्जा स्टेशनों की सुरक्षा के लिए समुद्र तटीय संरक्षा उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय
(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

- (क) सभी परमाणु बिजलीघरों में, अतिरिक्तता (जितनी आवश्यकता है उससे अधिक) तथा विविधता (विभिन्न सिद्धांतों पर प्रचालनरत) के सिद्धांतों पर आधारित आधुनिकतम संरक्षोपायों की व्यवस्था की जाती है। इनके अंतर्गत, रिएक्टर को सुरक्षित रूप से बंद करने के लिए शटडाउन प्रणालियाँ; सभी समयों पर रिएक्टर के क्रोड से अतिरिक्त ऊष्मा निकालने के लिए सक्रिय तथा निष्क्रिय (प्राकृतिक परिघटना पर काम करने वाली प्रणालियाँ जिनके लिए प्रेरक शक्ति अथवा प्रचालक द्वारा कार्य की आवश्यकता नहीं होती) शीतलक प्रणालियाँ, और सभी स्थितियों में विकिरणसक्रियता के उन्मुक्त होने को रोकने के लिए एक सुदृढ़ संरोधन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सभी परमाणु विद्युत संयंत्रों का डिजाइन, भूकम्प, बाढ़, सुनामी आदि जैसी गम्भीरतम प्राकृतिक घटनाओं का सामना करने की दृष्टि से तैयार किया गया है।
- (ख) परमाणु विद्युत संयंत्रों की संरक्षा को मानीटर करने के लिए, एक बहु-चरणीय संरक्षा प्रणाली जिसके अंतर्गत, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), जोकि परमाणु विद्युत संयंत्रों का प्रचालक है, की संरक्षा पुनरीक्षा समितियाँ, और नियामक प्राधिकरण, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) की संरक्षा पुनरीक्षा समितियाँ आती हैं, मौजूद है। इसके अतिरिक्त, आवधिक संरक्षा पुनरीक्षा, लेखापरीक्षा तथा निरीक्षण के लिए एक व्यवस्था मौजूद है। मार्च, 2011 में जापान में हुई फुकुशिमा नाभिकीय दुर्घटना के बाद, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कार्यबलों तथा परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद की विशेषज्ञ समिति द्वारा सभी भारतीय परमाणु विद्युत संयंत्रों की संरक्षा पुनरीक्षा की गई थी। इन संरक्षा पुनरीक्षाओं से यह पुष्टि हो गई है कि, भारतीय परमाणु विद्युत संयंत्र सुरक्षित हैं, और इनके डिजाइन में, भूकम्पों तथा सुनामियों जैसी गम्भीरतम घटनाओं का सामना करने के लिए पर्याप्त गुंजाइश तथा विशेषताएं मौजूद हैं।
- (ग) तटीय क्षेत्रों में अवस्थित परमाणु बिजलीघरों का डिजाइन तैयार करते समय, संबंधित स्थल पर भूकम्प, सुनामी, तूफान की लहरों, बाढ़ आदि से संबद्ध तकनीकी प्राचलों को ध्यान में रखा जाता है। तारापुर, कलपाक्कम तथा कुडनकुलम स्थलों पर तट के बचाव के लिए उपयुक्त बाँध तैयार किए गए हैं। तट के बचाव संबंधी उपायों के अंतर्गत अभिकल्पन और निर्माण कार्य, प्राकृतिक घटनाओं के संभावित प्रभाव का सामना करने की दृष्टि से किया जाता है। बचाव संबंधी इन उपायों की निगरानी आवधिक रूप से की जाती है।
